## राजस्य विभाग

## पुद्ध जागीर दिनांक 20 फरवरी, 1990

कमांक 169-ज-(2)-90/4508.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार ग्रिधिनियम, 1948 ( जैसा कि उसे हिन्याणा राज्य में ग्रापनाया गया है भौर उसमें ग्राज तक संबोधन किया गया है) की घारा 2(ए) (८) तथा 3(१ए) के अनुसार सौपे गये धि कारों का प्रयोग करते हुए, हिन्याणा के राज्यपाल श्री धारा सिंह, पुत्र श्री राम सिंह, गांव मदीना, तहसील महम, जिला रोहतक को रबी, 1963 से रबी, 1970 तक 100 स्पये खरीफ, 1970 से खरीफ, 1979 तक 150 स्पये वादिक तथा रबी, 1980 से 300 स्पये वादिक समक्ष में दी गई शर्तों के श्रनुसार सहषे प्रदान करते हैं।

## दिनांक 21 फरवरी, 1990

त्रमांक 156-ज-(II)-90/4659.— श्री बन्सी लाल, पुत्र श्री मोलड़, निवासी गांव मातनहेल, तहसील झज्जर, जिला रोहतक को पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार श्रीधिनियम, 1948 की धारा  $2(\mathfrak{V})$  तथा  $3(\mathfrak{IV})$  के श्रीधीन सरकार की श्रीधसूचना त्रमांक 1808-ज-II-73/326659, दिनांक 5 नवम्बर, 1973 द्वारा 150 रुपये श्रीर उसके बाद श्रीध सूचना त्रमांक 1789-ज-I-79/44040, दिनांक 30 श्रक्तूबर, 1979 द्वारा 150 रुपये से बढ़ाकर 300 रुपये वार्षिक की दर से जागीर मंजूर की गई थी ।

2. ग्रब श्री बन्सी लाल की दिनांक 6 श्रक्तूबर, 1988 को हुई मृत्यू के-परिणाम स्वरूप, हरियाणा के राज्यपाल उपरोक्त ग्रिधिनियम (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में श्रपनाया गया है ग्रीर उसमें ग्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 के ग्रधीन प्रदान की गई सक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस जागीर को श्री बन्सी लाल को विधवा श्रीमती राजकौर के नाम रबी, 1989 से 300 परे वार्षिक की दर से, सनद में दी गई शर्तों के ग्रन्तर्गत तबदील करते हैं।

## दिनांक 28 फरवरी, 1990

कमांक 1337-ज-(2)-89/5295.— पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुक्षार ग्राधिनिसम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में ग्रापनाया गया है भीर उसमें भाज तक संशोधन किया गया है) की भारा 2 (ए) (ए) तथा 3 (१ए) के अनुसार सौपे गये ग्राधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्याल श्री रखेराम, पृष्ठ श्री क्यांका राम, गांव वालावा, हहुसं ल महम, जिला रोहतक को रबी 1975 से खरीफ 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी 1980 से 300 रुपये वार्षिक सनद में दी गई शर्ती के भनुसार सहषे प्रदान करते है।

कमांक 268-ज (2)-90/5300.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार मधिनयम, 1948 (जैसा कि उसे हिरयाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2 (ए) (ए) तथा 3 (१ए) के अनुसार सींपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्रीमती चांद कौर, विधवा श्री दरयाव सिंह, गांव खेड़ी ग्रासरा, तहसील झज्जर, जिला रोहतक को रूबी, 1973 से खरीफ 1979 तक 150 इपये वार्षिक तथा रबी 1980 से 300 रुपये वार्षिक सनद में दी गई शतों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

क्रमांक 150-ज-2-90/5304.---श्री चन्दू लाल, पुत श्री धन सिंह, निवासी गांव खेड़ी खुम्मार, तहसील अज्जर, - जिला रोहतक को पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार प्रधिनयम, 1948 की धारा 2 (ए), (1ए) तथा 3 (1ए) के श्रधीन सरकार की प्रधिस्चना क्रमांक 2442-ज-2-76/7834, दिनांक 31 जनवरी, 1977 द्वारा 100 रुपये वार्षिक श्रीर बाद में श्रधिस्चना क्रमांक 5041-श्रार-3-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 द्वारा 150 रुपये श्रीर उसके बाद श्रधिस्चना क्रमांक 1789-ज-1-79/44040, दिनांक 30 अक्तूबर, 1979 द्वारा 150 रुपये से बढ़ा कर 300 रुपये धार्षिक की दर से जागीर मंजूर की गई थी।

2. अब श्री चन्दू साल की दिनांक 26 जुलाई, 1989 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप, हरियाणा के राज्यपाल उपरोक्त अधिनियम (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस जागीर को श्री चन्दू लाल की विधवा श्रीमती चावली के नाम जरीक, 1989 में 30) दारे बार्विक की दर से, सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत तबदील करते हैं।

सागर मल, भ्रवर<sub>्</sub>सचिव, हिन्याणा सरकार, राजस्व विभाग ।